जिला– 05   **तहसील– 24 + 2 + 1 –27**

1. बलौदाबाजार – 8
2. रायपुर – 4
3. महासमुंद – 5
4. गरियाबंद – 5
5. धमतरी – 5

NH

1. NH- 30
2. NH- 130
3. NH- 130 B
4. NH-130 C
5. NH- 53
6. NH- 153
7. NH- 353

बलौदा बाजार जिला

1. तहसील– संख्या (06+ 2 = 8)

1. सिमगा	2. भाटापारा	3. बलौदाबाजार	4. पलारी
5. कसडोल	6. बिलाईगढ़	7. लवन	8. भठगांव

2. खनिज– i. चूना पत्थर– 1. गैतरा 2. झिपन 3. करही 4. चण्डी 5. अमलीडीह 6. मोहरा 7. रवान 8. रावन 9. हिरमी 10. सोनाडीह 11. कुकुरडीह 12. चुचरूंगपुर

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक मात्रा में चूना पत्थर बलौदाबाजार जिले में पाया जाता है।

ii. डोलोमाइट– 1. भाटापारा 2. पाटपारा

iii. सोना– 1. सोनाखान 2. राजादेवरी

3. सीमेंट कारखाना–

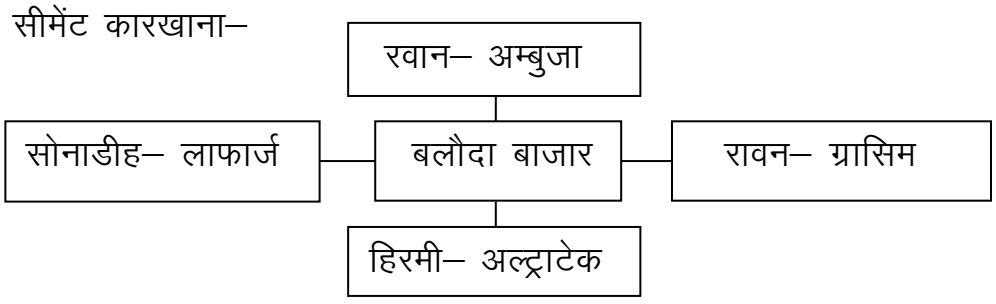

बलौदा बाजार
- रवान– अम्बुजा
- सोनाडीह– लाफार्ज
- रावन– ग्रासिम
- हिरमी– अल्ट्राटेक

4. सिमगा – सोमनाथ स्थल– शिवनाथ और खारून नदी के संगम पर।

5. दामाखेड़ा– i. छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ के लोगों का प्रमुख तीर्थ स्थल है।

ii. छत्तीसगढ़ में कबीर पंथ के 12 गुरू हुए थे जिनमें प्रथम गुरू का नाम मुक्तामणी नाम साहब तथा अंतिम या बारवें गुरू का नाम उग्र नाम साहब था। उग्रनाम साहब के द्वारा दामाखेड़ा में कबीर गद्दी स्थापित किया गया इसे कबीर चबुतरा भी कहते है।

iii. प्रतिवर्ष यहाँ माघ पूर्णिमा में मेले का आयोजन किया जाता है।

6. पलारी – सिध्देश्वर मंदिर

7. गिरौधपुरी– i. छत्तीसगढ़ में सतनामी समाज का एक मात्र तीर्थ स्थल।

ii. 18 दिसम्बर 1756 को सतनामी पंथ के प्रवर्तक बाबा गुरू घासीदास का जन्म हुआ। जहाँ जन्म हुआ वहा गुरू की गद्दी स्थापित की गई। जो गुरू निवास कहलाता है।

iii. औरा–धौंरा वृक्ष के नीचे तपस्या, तपोभूमि कहलाता है।

iv. गिरौधपुरी के पास ही छाता पहाड़ स्थित है जहाँ बाबा की समाधी है।

v. माता – अमरौतिन बाई, पिता – महंगूदास, पत्नी– सुफरा, पुत्र– अमरदास

vi. सतनाम समाज की आस्था को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 77 मी. ऊँचा जैतखाम का निर्माण कराया गया है।

8. सोनाखान – छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता आदोलन के प्रथम शहीद वीर नारायण सिंह बिंझवार यही के जमींदार थे।

9. तुरतुरिया – i. रामायण कालीन स्थल।

ii. वाल्मीकि ऋषि का आश्रम।

iii. लव–कुश की जन्म स्थली।

10. बारनवापारा – i. गठन– 1976 ii. क्षेत्रफल– 245 किमी^{2}

iii. नदी– बलमदेई नदी iv. वन– साल, सगौंन, मिश्रित वन

v. वन्यजीव – सर्वाधिक सर्प पाए जाते हैं।

vi. पक्षी– 150 से ऊपर प्रजातियाँ पायी जाती है।

मुख्य– 1. दूधराज 2. कठफोड़वा 3. राबिनपाई

4. डैंगो 5. गोल्डन अरियर 6. हुदहुद

7. बुलबुल

विद्या अतुल्य अलंकार
RAJPUT TUTORIALS

रायपुर जिला

1. तहसील– संख्या (04)
   1. धरसींवा–रायपुर 2. तिल्दा 3. आरंग 4. अभनपुर

2. खनिज– i. चूना पत्थर– 1. माढंर 2. सिलयारी 3. बैकुण्ठ 4. तिल्दा
   5. केसला (प्रसिद्ध खदान)

3. सीमेंट कारखाना– 1. माढंर– CCI (सीमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड)
   वर्तमान में उत्पादन बंद
   2. बैकुण्ठ– सेचुंरी सीमेंट

4. निजी विश्व विद्यालय–
   1. मठ– AMITY विश्व विद्यालय
   2. गुल्लु– MATS (Mahaveer Academy of Technology & Science)
   3. कोटनी– कंलीगा विश्वविद्यालय
   4. उपरवारा– ITM (Institute of Technology & Mangement)

5. तिल्दा– 1. राइस मिल काम्पलेक्स
   2. पॉली पार्क

6. सिलतरा– 1. औद्योगिक विकास केन्द्र (IDC)
   2. वर्तमान में राज्य का सबसे बड़ा और नया औद्यागिक विकास केंद्र
   3.सायकल काम्पलेक्स

7. उरला– 1. औद्योगिक विकास केन्द्र (IDC)
   2. सबसे पुराना औद्योगिक विकास केन्द्र

8. रावाभाटा– मेटल पार्क

9. भनपुरी– एपारेल पार्क

10. रायपुर–
   i. कल्चुरी शासक रामचंद्र देव ने अपने पुत्र ब्रम्हदेव राय के नाम पर इस शहर की स्थापना की।
   ii. रायपुर के कल्चुरियों की दूसरी राजधानी।
   iii. वर्ष 1964 में पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. की स्थापना।
   iv. वर्ष 1938 में राज्य का पहला महाविद्यालय जे. योगानंदम (छ.ग. कॉलेज) की स्थापना।
   v. वर्ष 1987 में राज्य का पहला कृषि वि. वि. इंदिरा गांधी कृषि वि. विद्यालय की स्थापना।

विद्या अतुल्य अलंकार
RAJPUT TUTORIALS

vi. वर्ष 2003 में राज्य का एक मात्र विधि विश्व विद्यालय, हिदायतुल्ला विधि वि. विद्यालय की स्थापना।

vii. वर्ष 2005 में राज्य का एक मात्र पत्रकारिता विश्व विद्यालय कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्व विद्यालय की स्थापना।

viii. राज्य का पहला इजिनियरिंग तथा मेडिकल कालेज रायपुर में स्थापित।

ix. राज्य का एक मात्र भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर में स्थापितं

x. NIT (National Institute of Technology)

xi. AIIMS (अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान)

xii. IIIT (International Institute of Information & Technology)

xiii. राज्य का सबसे बड़ा नगर निगम रायपुर में।

xiv. स्वामी विवेकानंद विश्व प्रबुद्ध संस्थान।

xv. विक्टोरिया गार्डन (मोती बाग)

xvi. 1. राज्य का एक मात्र इंन्डोर स्टेडियम, 2. हॉकी स्टेडियम प्रथम।

xvii. रायपुर शहर खारून नदी के तट पर स्थित है।

xviii. हटकेश्वर महादेव (महादेव घाट) का मंदिर स्थित है।

xix. लक्ष्मण झुला

xx. राज्य का एक मात्र अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा।

11. आरंग– i. मंदिरो की नगरी कहलाती है।

ii. दो प्रसिद्ध जैन मंदिर – 1. भाण्ड देवल देव जैन मंदिर 2. बाघल देव जैन मंदिर

12. परसदा– i. राज्य का एक मात्र अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम।

ii. शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम।

13. चम्पारण– i. चम्पकेश्वर महादेव का मंदिर।

ii. महाप्रभु वल्लभाचार्य की जन्म स्थली।

विद्या अतुल्य अलंकार
RAJPUT TUTORIALS

महासमुंद जिला

1. तहसील– संख्या (05)

   1. महासमुंद 2. पिथौरा 3. बसना 4. सराईपाली 5. बागबहारा

2. खनिज–

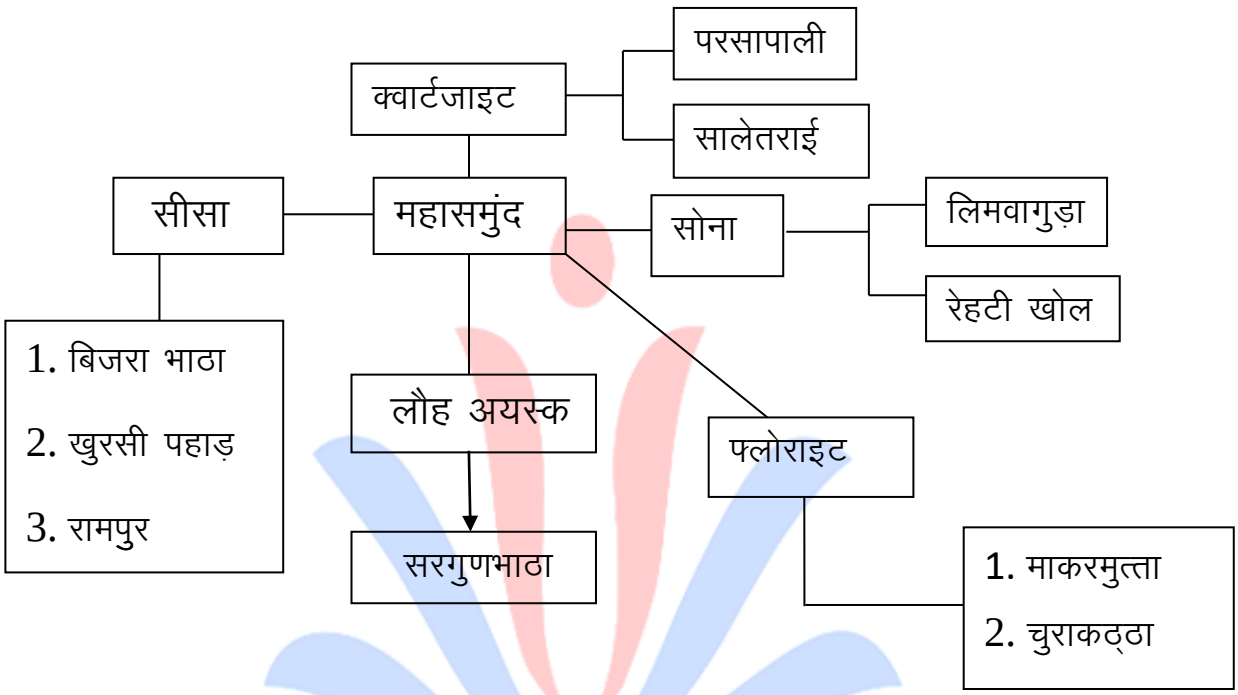

3. घोड़ारी– स्टोन कंटिग काम्पलेक्स।

4. बिरकोनी– औद्योगिक क्षेत्र

5. सिरपुर– i. प्राचीन नाम– चित्रांगदपुर तथा श्रीपुर
   ii. पाण्डु वंश का शासन
   iii. शासक हर्षगुप्त की रानी वासटा देवी, पुत्र– महाशिव गुप्त बालार्जुन।
   iv. रानी वासाटा देवी ने हर्ष गुप्त की याद में सिरपुर में लक्ष्मण मंदिर की नीव रखी जिसका निर्माण कार्य इनके पुत्र महाशिव गुप्त बालार्जुन ने पुरा कराया।
   v. इस मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा है।
   vi. यह मंदिर लाल इटों से निर्मित है।
   vii. सिरपुर का लक्ष्मण मंदिर केन्द्र संरक्षित स्मारक की सूची में शामिल है।
   viii. सिरपुर में ही गंधेश्वर महादेव का मंदिर स्थित है।
   ix. दो बौद्ध विहार– 1. आनंद प्रभु कुटी विहार
   2. स्वास्तिक विहार

6. कौआझर– i. कोडार नदी में कोडार परियोजना स्थित है।
   ii. शहीद वीर नारायण सिंह परियोजना भी कहते है।

विद्याअतुल्यअलंकार
RAJPUT TUTORIALS

7. बम्हनी– बम्हनेश्वर महादेव मंदिर।

8. खल्लारी– i. प्राचीन नाम – खल्लवाटिका
ii. महाभारत कालीन स्थल
iii. रायपुर के कल्चुरियों की पहली राजधानी
iv. खल्लारी माता का मंदिर
v. भीम पांव, भीम चूल्हा स्थित है।

9. बागबहारा– चण्डी माता का मंदिर

10. सुअरमार – 36 गढ़ में से एक गढ़।

गरियाबंद जिला

1. तहसील– संख्या (05)
1. राजिम– फिंगेंश्वर 2. गरियाबंद 3. छुरा 4. मैनपुर 5. देवभोग

2. खनिज– i. लौह अयस्क– मछुवा बहल (गरियाबंद)
ii. मैग्निज– 1. छुरा 2. परसोली
iii. हीरा– तहसील मैनपुर में– 1. पायलीखण्ड 2. जागड़ा 3. कोदोमाली 4. कोसमगुड़ा 5. बेहराडीह
iv. अलेक्जेण्ड्राइट– देवभोग तहसील के– 1. सेंदमुडा 2. लाटापारा
v. गारनेट– 1. गोहरेकला 2. केंदुवन 3. धुपकोट 4. लाटापारा 5. देवभोग

3. छत्तीसगढ़ का पंचकोषी यात्रा– i. चंपारण– चम्पकेश्वर महादेव मंदिर (रायपुर)
ii. पटेवा– पटेश्वर महादेव मंदिर (गरियाबंद)
iii. कोपरा– कोपेश्वर महादेव मंदिर (गरियाबंद)
iv. फिंगेंश्वर– फणीकेश्वर महादेव मंदिर (गरियाबंद)
v. बम्हनी– बम्हनेश्वर महादेव मंदिर (महासमुंद)

4. राजिम– i. प्राचीन नाम– पद्मावतीपुरी और कमल क्षेत्र।
ii. राजिम छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहलाता है।
iii. राजिम में त्रिवेणी संगम स्थित है (महानदी+पैरी+सोंढूर नदी)
iv. पंचकोषी यात्रा का केंद्र बिन्दू राजिम है।
v. जहां त्रिवेणी संगम वहाँ पर कुलेश्वर महादेव का मंदिर स्थित है।

विद्यातुल्यअलंकार
RAJPUT TUTORIALS

vi. नल वंशी शासक विलासतुंग के द्वारा राजिम में राजीव लोचन मंदिर का निर्माण कराया गया।

vii. इस मंदिर के गर्भगृह में काले पत्थर से निर्मित भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित है

viii. राजिम में लोमष ऋषि का आश्रम स्थित है।

ix. माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्री का मेला लगता है। इस मेले को छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा पाचवें कुंभ की संज्ञा दी गयी थी। (वर्तमान नाम– पुष पुन्नी)

5. फिगेंश्वर– 1. फिंगेश्वर में मौली माता का मंदिर स्थित है।
2. फिंगेश्वर 36 गढ़ों में से एक गढ़ है।
3. पर्यटक स्थल– i. जतमई माता ii. घटारानी माता iii. गरजई माता का मंदिर है।

धमतरी जिला

1. तहसील – संख्या (05)

1. कुरूद 2. धमतरी 3. मगरलोड 4. सिहावा 5. भखारा

2. सिहावा – i. सिहावा तहसील के सिहावा पर्वत, प्राचीन नाम– सुक्ति मति (पर्वत का) में श्रृंगी ऋषि के आश्रम से महानदी का उद्गम होता है।
ii. महानदी की कुल लम्बाई– 851 किमी.
iii. महानदी की छत्तीसगढ़ में लम्बाई– 286 किमी
iv. छत्तीसगढ़ की सबसे लम्बी नदी।
v. छत्तीसगढ़ में बहने वाली दूसरी सबसे लम्बी नदी
vi. सरोवर गुफा स्थित है।
vii. कर्णेश्वर महादेव मंदिर स्थित है।

3. बंजारी – हर्बल ग्राम

4. बागौद – i. छत्तीसगढ़ का पहला व वर्तमान में एक मात्र Food Park 1700 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित है।

5. धमतरी – i. बिलाईमाता का मंदिर
ii. राइस मिल काम्पलेक्स

6. श्यामातराई – औद्योगिक क्षेत्र।

विद्या अतुल्य अलंकार
RAJPUT TUTORIALS

विद्या अतुल्य अलंकार
RAJPUT TUTORIALS